डा0 राम मनोहर लोहिया अवध वि0वि0, फैजाबाद

दिनांक : 10.09.2017

प्रेस विज्ञप्ति (निःशुल्क प्रकाशनार्थ)
एशियन कल्चरल लैण्डस्केप एसोसियेशन के 7वें अन्तर्राष्ट्रीय
संगोष्ठी के आयोजन की समीक्षा बैठक संपन्न

कुलपति प्रो0 मनोज दीक्षित की अध्यक्षता में अगले वर्ष 23 से 26 अक्टूबर 2018 तक आयोजित होने वाली अन्तराष्ट्रीय संगोष्ठी, जिसे एशियन कल्चरल लैण्डस्केप एसोसियेशन, कोरिया तथा अयोध्या शोध संस्थान के सहयोग से आयोजित किया जाना है, की तेयारियों को लेकर प्रथम समीक्षा बैठक आज दिनांक 10.09.2017 दिन रविवार को कौटिल्य प्रशासनिक सभागार मे पूर्वान्ह में 10:30 बजे से सम्पन्न हुई।

लगभग तीन घंटे तक चली उक्त बैठक में कुलपति प्रो0 दीक्षित के अतिरिक्त अयोध्या शोध संस्थान के निदेशक डा0 वाई0पी0 सिंह, एशियन कल्चरल लैण्डस्केप एसोसियेशन, कोरिया के उपाध्यक्ष एवं बी0एच0यू0 के भूगोल विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो0 राना पी0बी0 सिंह, इण्डियन इंस्टीटयूट आफ हैरिटेज मैनेजमेंट, नई दिल्ली के निदेशक प्रो0 मक्खन लाल, इतिहास संसकृति एवं पुरातत्व विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो0 ए0पी0 सिंह, पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो0 एम0पी0 सिंह, प्रो0 अशोक शुक्ला, प्रो0 एस0एन0 शुक्ला, प्रो0 आशुतोष सिन्हा, डा0 महेन्द्र पाठक, डा0 सर्वेश सिंह, डा0 संदीप सिंह तथा डा0 अंशुमान पाठक सहित संगोष्ठी के क्रियाकलापों से संबंधित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

एशियन कल्चरल लैण्डस्केप एसोसियेशन, कोरिया के तत्वाधान में आगामी वर्ष आयोजित होने वाली 7वीं अन्तर्राष्टीय संगोष्ठी का विषय वस्तु ''दक्षिण एशिया के तीर्थ स्थलों एवं सांस्कृतिक धरोहरों के संदर्भ में पर्यटन संभावना के सतत विकास'' पर केन्द्रित है। कोरिया स्थित उक्त समिति के उपाध्यक्ष एवं भारत के अन्तराष्टीय ख्यातिप्राप्त भूतत्ववेत्ता प्रो0 राना पी0बी0 सिंह ने उक्त अन्तराष्टीय संगोष्ठी के आयोजन को लेकर विभिन्न चरणों मे संपादित किए जाने वाले कार्यों का खाका खीचा। प्रो0 राना ने बताया कि 4 दिवसीय उक्त संगोष्ठी में भारतीय प्रतिभागियों के अतिरिक्त लगभग 150 विदेशी प्रतिभागियों के सम्मिलित होने की प्रबल संभावना है। प्रो0 राना ने कहा कि भारतीय श्रद्वा के केन्द्र तथा तीर्थस्थल और यहां पर बिखरी हुई भारतीय वास्तुकला के जीवन्त गवाह विश्वपटल पर आज भी पहचान के लिए संधर्षरत हैं। इस अन्तराष्टीय संगोष्ठी में सम्मिलित होने वाले विषय विशेषज्ञो को अयोध्या एवं अयोध्या परिक्षेत्र की एतिहासिकता के साथ–साथ भारतीय वास्तुकला की रचनात्मकता से परिचित कराना तथा इस माध्यम से अयोध्या एवं काशी नगरी को यूनेस्को की विश्व धरोहर की सूची में स्थाल दिलाना भी इस संगोष्ठी के उददेश्यो मे से एक है। इसके लिए संगोष्ठी मे आने वाले विदेशी विषय विशेषज्ञो के लिए एक दिवसीय हैरिटेज–वॉक कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा।

कुलपति प्रो0 दीक्षित ने प्रो0 राना, प्रो0 मक्खन लाल तथा डा0 वाई0पी0 सिंह को घन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय को विश्वासपूर्वक इस संगोष्ठी के आयोजन की जिम्मेदारी दिया जाना विश्वविद्यालय एवं अयोध्या परिक्षेत्र के लिए अत्यन्त सम्मानजनक है। कुलपति ने कहा कि इस संगोष्ठी के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय पूणतः तत्पर है। कुलपति ने यह भी कहा कि संगोष्ठी से संबंधित वेबसाइट शीध्र ही समारोहपूर्वक लांच की जाएगी एवं इसके आयोजन के लिए निरन्तर कार्य करने हेतु एक संगोष्ठी–सचिवालय का गठन किया जाएगा।

उक्त के क्रम मे प्रो0 मक्खन लाल ने संगोष्ठी आयोजन के संदर्भ में तमाम महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा करते हुए कहा कि यह संगोष्ठी निश्चय ही अयोध्या परिक्षेत्र को अन्तराष्टीय पटल पर पहचान दिलाने में सक्षम होगी।

निदेशक, अयोध्या शोध संस्थान डा0 वाई0पी0 सिंह ने कहा कि संगोष्ठी के संदर्भ में विश्वविद्यालय के सहयोग से अयोध्या परिक्षेत्र एवं उसकी एतिहासिकता पर अकादमिक चर्चा इस क्षेत्र में पर्यटन संभावनाओं को बढावा देने की दृष्टि से एक शुभ संकेत है और शोध संस्थान संगोष्ठी के आयोजन के लिए कृत संकल्प है।

नोटः फोटो संलग्न है।

मीडिया प्रभारी